राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 334 | जौनपुर | गुरूवार, 24 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

30 बुलडोजर लेकर पहुंचे अधिकारी, भड़क उठे सीजेआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली में वन भूमि को साफ करने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल पर तीखी असहमति जताते हुए कहा कि रातोंरात किए गए ऐसे कार्यों को सतत विकास के रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही पीठ का नेतृत्व कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कार्यवाही के दौरान टिप्पणी की कि वे सतत विकास के पक्ष में तो हैं, लेकिन इस मामले में वनों की कटाई की प्रकृति और गति अस्वीकार्य है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान कहा कि मैं स्वयं सतत विकास का समर्थक हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप रातोंरात 30 बुलडोजर लगा दें और सारा जंगल साफ कर दें। यह मामला तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के विकास के लिए कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में लगभग 400 एकड़ हरित क्षेत्र की कटाई से संबंधित है। कथित तौर पर एक लंबे सप्ताहांत में पेड़ों की तेजी से कटाई से व्यापक जन चिंता और न्यायिक हस्तक्षेप हुआ था। मामले में न्यायमित्र नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने न्यायालय को सूचित किया कि कुछ निजी हस्तक्षेपकर्ता राज्य सरकार के हलफनामे पर जवाब देना चाहते हैं। पीठ ने इन जवाबों के लिए समय देने पर सहमति व्यक्त की और मामले को 13 अगस्त को विस्तृत सुनवाई के लिए पुनः सूचीबद्ध कर दिया। इससे पहले हुई एक सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के अधिकारियों की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी,।

सरकारी आवास का 12.76 लाख रुपये बकाया

चंडीगढ़, (एजेंसी)। चंडीगढ़ प्रशासन ने पूर्व भाजपा सांसद किरण खेर को सेक्टर 7 में आवंटित सरकारी आवास के लिए लगभग 13 लाख रुपये की बकाया लाइसेंस फीस के लिए नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, सहायक नियंत्रक (वित्त एवं प्रशासन) किराया ने 24 जून, 2025 को खेर के सेक्टर 8–ए स्थित कोठी संख्या 65 स्थित आवास पर नोटिस भेजा था। नोटिस में उन्हें जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है और चेतावनी दी गई है कि यदि भुगतान में और देरी हुई तो कुल बकाया राशि पर 12: ब्याज लगाया जाएगा। प्रशासन ने भाजपा नेता से कुल 12,76,418 रुपये की मांग की है। यह बकाया राशि सेक्टर 7 स्थित सरकारी आवास टी–6ध्23 के लाइसेंस शुल्क (किराए) और जुर्माने से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि जुर्माने में 100: तक का जुर्माना और कुछ बकाया राशि पर 200: तक का जुर्माना भी शामिल है। इस घटनाक्रम ने पूर्व सांसद द्वारा लंबे समय तक आवास पर कब्जा बनाए रखने और भुगतान न करने पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महिलाओं को सरकार का तोहफा,1 करोड़ तक की संपत्ति पर मिलेगी स्टाम्प शुल्क में छूट : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ रुपये तक मूल्य की संपत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में 1: की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक की संपत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपये तक की छूट मिलती थी। लेकिन अब सरकार ने इस छूट को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक की संपत्ति पर लागू कर दिया है, जिससे महिलाओं को अधिक लाभ मिलेगा। मंगलवार शाम लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में कुल 37 मद पारित किए गए। इसमें 11 अगस्त से विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत का भी निर्णय लिया गया।

महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक मजबूती देने की पहल

निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि सरकार का मानना है कि इस फैसले से मध्यम वर्ग की महिलाओं को संपत्ति की मालिक बनने में मदद मिलेगी, जिससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि वे समाज में आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और सम्मानित बनेंगी। यह छूट मिशन शक्ति कार्यक्रम को भी मजबूती देगी, जिसके तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा रहा है।

बढ़ेगा सामाजिक सम्मान और वित्तीय स्वतंत्रता

बजट 2024 में केंद्र सरकार ने भी महिलाओं के पक्ष में निष्पादित विलेखों पर स्टाम्प शुल्क कम करने की बात कही थी। उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला उसी दिशा में एक सकारात्मक और प्रभावी कदम माना जा रहा है। इस पहल से महिलाओं के पक्ष में सम्पत्ति के स्वामित्व को सामाजिक सम्मान एवं आर्थिक वित्तीय स्वतन्त्रता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, महिलाओं के नाम सम्पत्ति के पंजीकरण में भारी वृद्धि की सम्भावना है जिससे मिशन शक्ति के उद्देश्य पूर्ति में सहायता मिलेगी।

विपक्ष पहलगाम,ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में चर्चा की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी की मांग की और सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। गौरतलब है।

संसद में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शाह की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में उनके कार्यालय में मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ही मालदीव और ब्रिटेन की यात्रा के लिए रवाना होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चौथी ब्रिटेन यात्रा पर आज रवाना होंगे। इस दौरान वह बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों, खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि 23 से 24 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ चर्चा के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। वह राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। भारत और ब्रिटेन, दोनों के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे।

भारत-पाकिस्तान पर ट्रंप के दावे जारी - राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर भारत–पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के दावे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 25वीं बार यह बयान दिया। पीएम मोदी इस पर मौन हैं। इससे लगता है दाल में कुछ काला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल किया कि ट्रंप युद्ध विराम कराने वाले कौन होते हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर एक बार भी जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री कैसे बयान दे सकते हैं? वह क्या कहेंगे, ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, वह ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन यह सच्चाई है। ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, पूरी

दुनिया जानती है। यह वास्तविकता है। संसद भवन परिसर में राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ संघर्ष विराम का मामला नहीं है। कई बड़ी समस्याएं हैं जिन पर हम चर्चा करना चाहते हैं। रक्षा, रक्षा उद्योग, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी समस्याएं हैं। स्थिति अच्छी नहीं है और पूरी दुनिया जानती है। जो लोग खुद को देशभक्त कहते हैं, वे भाग गए हैं। प्रधानमंत्री एक बयान भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप 25 बार कह चुके हैं कि मैंने संघर्ष विराम करवाया। संघर्ष विराम करवाने वाले ट्रंप कौन होते हैं? यह उनका काम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी जवाब नहीं दिया। यह सच्चाई है, वह इसे छिपा नहीं सकते। सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विदेश से लौटने पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने की बात स्वीकार कर ली है। राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ सरकार कहती है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और दूसरी तरफ कहा जाता है कि जीत हासिल हो गई है। या तो जीत हासिल हो गई है या ऑपरेशन सिंदूर जारी है। ट्रंप कह रहे हैं कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया, वह यह 25 बार कह चुके हैं। इसलिए कुछ न कुछ तो दाल में काला है।

राज्यसभा को नए सभापति के लिए करना होगा शीतकालीन सत्र तक इंतजार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 21 जुलाई 2025 की रात संसद का मानसून सत्र शुरू हो चुका था। सियासत अपनी रफ्तार पकड़ रही थी। लेकिन तभी एक खबर ने पूरे देश की राजनीतिक फिजां में हलचल पैदा कर दी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति ने इस्तीफे को मंजूर भी कर लिया और सिर्फ 15 मिनट में गृह मंत्रालय को भी इसकी सूचना भेज दी गई। देश स्तब्ध है, संसद हैरान है और विपक्ष बेचैन है। जगदीप धनखड़ ने अपने इस्तीफे की वजह को स्वास्थ्य कारण बताया। अब सभी की निगाहें 32 दिनों पर है। नया चेहरा कौन होगा? नया खेल क्या होगा? निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए दोनों सदनों के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल का गठन, निर्वाचन अधिकारियों का चयन शुरू किया। आयोग ने कहा कि वह उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे रहा है। आयोग ने कहा कि तैयारियां पूरी होने के बाद, जल्द से जल्द उपराष्ट्रपति चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। इसका कारण राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम में उल्लिखित विस्तृत प्रक्रिया है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना जारी करने के बाद, 30 से 32 दिनों की वैधानिक समय–सीमा लागू हो जाती है। उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने के लिए 14 दिन, उसके बाद एक दिन नामांकन पत्रों की जॉच और दो दिन नामांकन वापस लेने का समय दिया जाता है। यदि मतदान की आवश्यकता पड़ती है, तो चुनाव नाम वापसी की समय–सीमा के 15 दिन बाद से पहले नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ है कि अधिसूचना से लेकर परिणामों की घोषणा तक की पूरी प्रक्रिया कम से कम 32 दिनों की होती है। इसके अलावा, चुनाव अधिसूचना जारी करने से पहले आयोग को आमतौर पर तैयारी में लगभग दो से तीन हफ्ते लगते हैं। इस तैयारी के चरण में निर्वाचक मंडल सूची को अद्यतन करना शामिल है दृ जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य शामिल होते हैं दृ और साथ ही मतपत्रों को प्रतिपर्णों के साथ मुद्रित करना भी शामिल है। इन्हें चुनाव आयोग द्वारा अनुमोदित विशिष्ट प्रारूपों और भाषाओं में तैयार किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 6 के अनुसार, उम्मीदवारों के नाम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची के अनुसार ठीक उसी क्रम में होने चाहिए। 12 अगस्त से पहले नए उपराष्ट्रपति का चुनाव संभव नहीं समय लेने वाली प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं और प्रारंभिक तैयारी अवधि को देखते हुए 12 अगस्त को समाप्त होने वाले मानसून सत्र से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की संभावना बहुत कम है। इसका मतलब है कि राज्यसभा को अपने नए अध्यक्ष का स्वागत करने के लिए नवंबर या दिसंबर के आसपास होने वाले शीतकालीन सत्र तक इंतजार करना पड़ सकता है।

प्रोटोकॉल तोड़कर राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे थे धनखड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने राजनीतिक अटकलों का दौर शुरू कर दिया है और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इसी बीच, एक अहम खुलासा हुआ है। धनखड़ सोमवार (21 जुलाई) देर रात 9 बजे राष्ट्रपति भवन पहुँचे। गौरतलब है कि राष्ट्रपति भवन में सभी गतिविधियाँ सख्त प्रोटोकॉल के तहत होती हैं और धनखड़ के अप्रत्याशित आगमन से सरकारी गलियारों में हलचल मच गई। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति को धनखड़ के अनिर्धारित दौरे की सूचना तुरंत दे दी गई। इसके बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ आनन–फानन में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें धनखड़ ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। रात करीब 9:25 बजे उपराष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस्तीफे के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलों

का दौर शुरू हो गया है। स्थिति की गंभीरता इस बात से स्पष्ट है कि उनके इस्तीफे को लेकर शुरू हुई चर्चाएँ अभी भी जारी हैं। धनखड़ के इस्तीफे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके आवास पर मुलाकात की। बताया जा रहा है कि लगभग 30 मिनट तक चली इस बैठक में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू हुआ था और आज इसका तीसरा दिन है। पहले दो दिन हंगामे के कारण बाधित हो चुके हैं। 21 जुलाई को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव दोनों सदनों में पेश किया गया था,।

चुनाव आयोग ने शुरू की उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद चुनाव आयोग एक्शन मोड में आ गया है। आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारी संबंधी गतिविधियां पूरी होने के बाद जल्द ही उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया था। चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गृह मंत्रालय ने 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना के जरिये भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना दी है। इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 और इसके तहत बने नियमों (राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम 1974) द्वारा कराया जाता है। आयोग ने कहा कि हमने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियां पूरी होने के बाद उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। आयोग ने कहा कि निर्वाचक मंडल की तैयारी,

जिसमें राज्यसभा एवं लोकसभा के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं शुरू कर दी गई है। इसके अलावा रिटर्निंग ऑफिसर ध सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोग ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति चुनावों से संबंधित जानकारियों और रिकॉर्ड को देखा जा रहा है। उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सांसद, राज्यसभा में मनोनीत 12 सांसद और लोकसभा के 543 सांसद वोट डाल सकते हैं। इस तरह के कुल 788 लोग वोट डाल सकते हैं। हालांकि, चुनाव आयोग जब उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का एलान करेगा, तब वह लोकसभा और राज्यसभा में सभी मौजूदा सदस्यों की गिनती करेगा।संविधान के अनुच्छेद 66 में उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया का जिक्र है। यह चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधि पद्धति से किया जाता है, जो कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है। उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम से होती है। उपराष्ट्रपति की उम्मीदवारी कब स्वीकार होती है? चुनाव में खड़े होने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 20 संसद सदस्यों को प्रस्तावक और कम से कम 20 संसद सदस्यों को समर्थक के रूप में नामित कराना होता है। उपराष्ट्रपति का प्रत्याशी बनने के लिए 15 हजार रुपए की जमानत राशि जमा करनी होती है। नामांकन के बाद फिर निर्वाचन अधिकारी नामांकन पत्रों की जांच करता है और योग्य उम्मीदवारों के नाम बैलट में शामिल किए जाते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्य वोट डालते हैं। इनमें राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचित सांसद और सभी राज्यों के विधायक मतदान करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मनोनीत सांसद वोट नहीं डाल सकते हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसा नहीं है। उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसे सदस्य भी वोट कर सकते हैं। जगदीप धनखड़ ने अपनी राजनीति की शुरुआत जनता दल से की थी। 1989 में झुंझुनू से सांसद बने। पहली बार सांसद चुने जाने पर ही उन्हें बड़ा इनाम मिला। 1989 से 1991 तक वीपी सिंह और चंद्रशेखर की सरकार में उन्हें केंद्रीय मंत्री भी बनाया गया था। हालांकि, जब 1991 में हुए लोकसभा चुनावों में जनता दल ने जगदीप धनखड़ का टिकट काट दिया तो वह पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए और अजमेर के किशनगढ से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर 1993 में चुनाव लड़ा और विधायक बने। 2003 में उनका कांग्रेस से मोहभंग हुआ और वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 30 जुलाई 2019 को जगदीप धनखड़ को पश्चिम बंगाल का 28वां राज्यपाल नियुक्त किया था। जिसके बाद से वे उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने तक उस पद पर बने रहे।

संपादकीय

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति–पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति–पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति–पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति–पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर–कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति–पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी।

दूरगामी रणनीति से बनेंगे पड़ोसियों से अच्छे संबंध

सुरेश

ठीक से देखा जाए, तो मोदी के कालखंड में मालदीव से उतार–चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन पर दोष मढ़ने की बजाय, भारत को अपने पड़ोसी देशों में

चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखकर दूरगामी रणनीति बनाने की जरूरत थी। किसी ने सोचा नहीं था, मोदी और मुइज्जू कभी 'सेम पेज' पर आ पाएंगे। यों, पीएम मोदी मालदीव तीसरी बार जा रहे हैं। मगर, राष्ट्रपति मुइज्जू के शासन के दौरान उनकी यह पहली यात्रा होगी। उनकी इस यात्रा से माले और नई दिल्ली के बीच संबंधों की नई इबारत लिखी जाएगी। विश्लेषकों ने इसे चीन के प्रभाव को 'पछाड़ने और उससे आगे निकलने' का प्रयास बताया है। 2025 के भारतीय बजट में, मालदीव को 6 अरब रुपये के आवंटन के बाद माले का भरोसा दिल्ली पर बढ़ा, जो पिछले वर्ष के 4.7 अरब रुपये से अधिक थी। इसे दक्षिण एशियाई लाभार्थियों में सबसे बड़ी वृद्धि बताया गया था। मोदी की मालदीव यात्रा पर केवल चीन–पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की भी नजर है। 1 जनवरी, 2025 को चीन–मालदीव मुक्त व्यापार समझौता (सीएमएफटीए) लागू हो गया, जिस पर 2014 में हस्ताक्षर हुए थे। मालदीव की संसद ने 2017 में इस व्यापार समझौते को मंजूरी दे दी थी, लेकिन इब्राहिम सोलिह के नेतृत्व वाली सरकार ने 2018 में इसे निलंबित कर दिया था। पिछले साल जनवरी में, मालदीव और चीन ने पर्यटन सहयोग समझौते सहित 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए और एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। मुइज्जू प्रशासन ने चीन से लिए गए 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के ऋणों के पुनर्गठन की भी मांग की। मालदीव ने पिछले साल चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग–3 को अपने जलक्षेत्र में आने की अनुमति दी थी, जिससे भारत में चिंताएं बढ़ गई थीं। जनवरी, 2025 में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से बातचीत की, और द्विपक्षीय संबंधों को दुरुस्त करने पर जोर दिया। वांग यी को लग रहा था कि भारत–चीन फिर से नजदीक आ रहे हैं। यों, जनवरी, 2024 में ही संकेत मिल गया था कि मुइज्जू भारत से संतुलित सम्बन्ध बनाने को इच्छुक हैं। मुइज्जू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तीन मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा शरीफ, और महजूम मजीद को निलंबित कर दिया था। 6 से 10 अक्तूबर, 2024 के दौरान मुइज्जू भारत आये और दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की, जहां दोनों ने एक संयुक्त विजन दस्तावेज जारी किया था। उस अवसर पर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को गहरा करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। समझौते में कहा गया था कि भारत मालदीव के रक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगा, जिसमें भारत की मदद से निर्मित माले में अत्याधुनिक रक्षा मंत्रालय के भवन का उद्घाटन भी शामिल है। ऐसा लगता है, मुइज्जू अपने चीन समर्थक होने का मुलम्मा उतारना चाहते हैं। दो साल से उन्हें 'प्रो चाइना प्रेसिडेंट' ब्रांडेड किया गया था। नवंबर, 2023 में भारत–मालद्वीव उभयपक्षीय संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, जिन्होंने 'इंडिया आउट' का प्रचार किया था। उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता की चिंताओं का हवाला देते हुए नई दिल्ली को भारत द्वारा उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टरों और एक फिक्स्ड–विंग विमान का संचालन और रखरखाव करने वाले 89 सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। इससे पाकिस्तान और चीन दोनों प्रसन्न थे।मालदीव–पाकिस्तान के संबंधों को समझना है तो वहां की संसद को देखिये, जिसका निर्माण पाकिस्तान ने 45 मिलियन रुपये लगाकर किया था। माले के मागू स्थित संसद भवन 'मजलिस' का उद्घाटन 1 अगस्त, 1998 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उपस्थिति में किया गया था। उसके 19 साल बाद, 25 जून, 2017 को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी पत्नी कलसूम नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। नवाज को दोबारा मालदीव बुलाने से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन 7 मई, 2015 को इस्लामाबाद भी गये थे। पाक सेना के तत्कालीन प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने मार्च, 2018 के अंत में मालदीव का दौरा किया था। इस समय पाकिस्तान में मालदीव के अधिकांश छात्र देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। 550 से 600 मालदीवियन युवा अपंजीकृत तालिब मदरसों में दीक्षा ले रहे हैं। वर्ष 1965 में मालदीव एक स्वतंत्र देश बना।

नदी–तालाबों को राह देने से राहत की उम्मीद

विजय

पानी के बहने के मार्ग को रोकने का अर्थ है सौभाग्य बाधित करना। गुरुग्राम शहर में थोड़ी सी बारिश में जलभराव भी नदी –नाले खत्म करने का परिणाम है। वास्तव में जल–संकट, बाढ़ और सूखे से बचना है तो नदी–नालों के पारंपरिक मार्गों को तलाश कर उन्हें उनके नैसर्गिक रूप में लौटाना अनिवार्य है। बीती 10 जुलाई को करीब डेढ़ घंटे बरसात हुई और देश में साइबर सिटी और बड़े औद्योगिक घरानों के लिए मशहूर गुरुग्राम में कई–कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सात लोग भी मारे गए। आश्चर्य है कि यह महानगर सालभर जल संकट से जूझता है, लेकिन बारिश होते ही दरिया बन जाता है। जहां सबसे महंगी जमीन है, वहीं सबसे ज्यादा जलभराव होता है। आठ घंटे के जाम से गुरुग्राम को अनुमानतरू सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर पर भरोसा भी डगमगाने लगा है। नाले–सीवर साफ न होना जैसे कारण तो अमूमन देश के हर शहर को बरसात में लज्जित करते हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण अलग है – नदी–तालाबों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना। अरावली की गोद में बसे इस शहर के पास नैसर्गिक रूप से इतनी जल निधियां थीं कि चाहे जितना पानी गिरे, उनमें ही भर जाये। सारे साल हर घर को पानीदार बना कर रखने की क्षमता थी। जब लोग गुस्साते हैं कि पानी हमारे घर–बस्ती में घुस गया, नदीदृतालाब मौन रहकर 'कहते हैं' कि समाज ने हमारा घर उजाड़ कर कब्जा किया। करीब डेढ़ दशक पहले तक एक नदी बहा करती थी– साबी या साहबी नदी। जो जयपुर जिले की सेवर की पहाड़ियों से निकल कोटकासिम, धारूहेड़ा, बहरोड़, तिजारा, पटौदी और झज्जर होते हुए नजफगढ़ झील तक पहुंचती थी। नए गुरुग्राम में इसका प्रवाह घाटा, ग्वाल पहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नंगली और बादशाहपुर तक फैला था, जहां इससे जुड़ी कई बड़ी झीलें थीं। कुछ स्थानों पर साहबी का पाट एक एकड़ तक चौड़ा था। आश्चर्य है कि गुरुग्राम की सीमा में इस नदी का कोई राजस्व रिकॉर्ड ही दर्ज नहीं है। करीब 15 साल पहले हुड्डा ने नदी के जलग्रहण क्षेत्र को 'आर–जोन' घोषित कर दिया। इससे पहले इस क्षेत्र की जमीन कुछ किसानों के नाम दर्ज थी। आर–जोन घोषित होते ही जमीन पर बिल्डरों

की नजर पड़ी और एक एकड़ की कीमत पचास लाख से बढ़कर पंद्रह करोड़ प्रति एकड़ तक हो गई। नदी मार्ग पर सेक्टर 58 से 65 तक कई कॉलोनियां और बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जब नदी के रास्ते में निर्माण होगा, तो पानी इमारतों के आसपास जमा होगा ही। असल में इस नदी के बहाव से कई तालाब जुड़े थेदृजब नदी उफान पर होती तो तालाब भर जाते। गुरुग्राम में 1956 में 640 तालाब थे जो कि 1971 में 519 रह गये और आज बड़े मुश्किल से 251 बचे हैं, जिनमें से आधे ठीक करना सम्भव नहीं। थोड़ी–सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी–पानी होने और फिर सालभर बेपानी रहने का कारण केवल नदी और तालाबों का लुप्त होना नहीं, जमीन के लालच में कई अहम नाले हड़पना भी है । डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार व बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला भी गुम हो गया। इन तीनों की जल–ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर थी। यह सारा पानी कारखानों, दफ्तरों के आगे सड़कों पर रुकता है। गुरुग्राम के दिल्ली की द्वारका की तरफ के इलाके में जल–भराव का मुख्य कारण उस विशाल जल–निधि का तहस–नहस होना है जो दिल्ली एनसीआर की प्यास बुझाने को अकेले ही काफी थी। दिल्ली–गुड़गांव अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर यानी उत्तरी–पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था। इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किमी था जो आज गुड़गांव के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई नहरें व सरिता थीं। आज दिल्ली के भूजल प्रदूषण का बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकल कर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में साबी नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। साल 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहरा कर पानी निकासी का जुगाड़ किया। इसके साथ ही नजफगढ़ झील के नाले में बदलने की दुखद कथा शुरू हो गई। सन 2005 में ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ नाले को देश के सर्वाधिक दूषित 12 वेट लैंड में से एक बताया था।

..... विविध .....

हर साल 1.8 करोड़ लोग मार देती है ये बीमारी, सोते-सोते चली जाती है जान

पिछले 25 सालों से दिल की बीमारियां सबसे ज्यादा मौत का कारण बन रही हैं। खासकर हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। दिल की बीमारियों के लक्षण अक्सर बहुत मामूली होते हैं, इसलिए हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन जब ये लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी है। अगर आप ज्यादा तला–भुना या बाहर का खाना खाते हैं तो आपको दिल की गंभीर बीमारियों को इग्नोर करना बहुत बड़ी गलती होगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्) के अनुसार, हर साल दिल की बीमारी से लगभग 1.79 करोड़ लोगों की मौत होती है। इसमें हार्ट अटैक, कोरोनरी हार्ट डिजीज, और सेरेब्रोवैस्कुलर डिजीज जैसी बीमारियां शामिल हैं। इन मौतों में से लगभग 80: हार्ट अटैक या स्ट्रोक के कारण होती हैं।

कम उम्र में भी खतरा बढ़ा

पहले दिल की बीमारियां भी दिल की बीमारियों को पूरी तरह रोकना संभव नहीं हो पाया है।

हार्ट अटैक के 8 मुख्य लक्षण

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दिल की बीमारी के कुछ खास लक्षण होते हैं जिन पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। इनमें शामिल हैं

सीने में दर्द या भारीपन

बाएं कंधे, बाएं हाथ या कमर में दर्द

सांस फूलना

मिचली आना या उल्टी होना

बीमारी हो सकती है। ऐसी बीमारी जिससे व्यक्ति सोते–सोते भी मर सकता है और उसे पता भी नहीं चलता। यह एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है।

हर साल 1.8 करोड़ मौतें

आपको जानकर हैरानी होगी कि हर साल दुनिया में करीब 1.8 करोड़ लोग दिल की बीमारी के कारण मर जाते हैं। यह संख्या बेहद बड़ी है और हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इसलिए दिल की ज्यादातर बुजुर्गों में देखी जाती थीं,लेकिन अब ये 70 साल से कम उम्र के लोगों को भी तेजी से प्रभावित कर रही हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दिल की बीमारी पिछले 25 वर्षों में तेजी से बढ़ी है। 2000 के दशक की शुरुआत में भी यह गैर–संक्रामक बीमारी के कारण सबसे ज्यादा मौतों में शामिल थी। हालांकि मेडिकल क्षेत्र में प्रगति हुई है और जागरूकता भी बढ़ी है, फिर

सिर में चक्कर आना

ठंडा पसीना आना

शरीर पीला पड़ना

बेहोशी आना

अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस करते हैं तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

दिल की बीमारी कम करने वाली दवाएं

दिल की बीमारी के इलाज के लिए कई दवाएं दी जाती हैं। ये दवाएं बीमारी के कारण और हालत पर निर्भर करती हैं। कुछ आम दवाओं में शामिल हैं एस्पिरिन, कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवाएं जैसे स्टेटिन, बीटा ब्लॉकर्स, एंजियोटेंसिन–कंवर्टिंग एंजाइम इनहिबिटर्स। डॉक्टर से सही सलाह लेकर ही दवाइयां लें।

किन लोगों को ज्यादा खतरा होता है?

दिल की बीमारी का खतरा उन लोगों में ज्यादा होता है जिनकी लाइफस्टाइल सही नहीं होती। अगर आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में ये सब शामिल हैं तो खतरा बढ़ जाता है जैसे अनहेल्दी डाइट लेना, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू का सेवन, शराब पीना। इन आदतों के कारण हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा बढ़ता है, जो दिल की बीमारी के मुख्य जोखिम कारक हैं।

खाने–पीने में क्या बचें?

ज्यादा चीनी

अधिक नमक

ज्यादा फैट

रेड मीट

सोडा और मीठे ड्रिंक

प्रोसेस्ड और अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड

शराब

दिल की सेहत का ख्याल रखना जरूरी

दिल की बीमारी एक खतरनाक और जानलेवा बीमारी है, लेकिन सही सावधानी और समय पर इलाज से इसे रोका जा सकता है। इसलिए अपनी लाइफस्टाइल में सुधार करें, हेल्दी खाना खाएं, नियमित एक्सरसाइज करें और अगर कोई लक्षण दिखे तो डॉक्टर से संपर्क करें।

अगर आप इस बीमारी के लक्षणों को समझेंगे और समय रहते इलाज करवाएंगे तो अपने और अपने परिवार की जान बचा सकते हैं। दिल की सेहत को हल्के में न लें, इसे प्राथमिकता दें।

सुबह–सुबह दिखते हैं ये लक्षण तो हो सकते है डायबिटीज के शुरुआती संकेत

सुबह की शुरुआत हमारे पूरे दिन को प्रभावित करती है, और कई बार हमारे शरीर में होने वाले छोटे–छोटे बदलाव हमें बड़ी बीमारियों का संकेत दे सकते हैं। खासकर डायबिटीज जैसी बीमारी, जो शुरू में बिना किसी खास लक्षण के धीरे–धीरे हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाती है। कई लोग डायबिटीज के शुरुआती संकेतों को थकान या सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आप भी सुबह उठते ही कुछ खास बदलाव महसूस कर रहे हैं तो इसे अनदेखा न करें, क्योंकि ये डायबिटीज के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

डायबिटीज के सुबह दिखने वाले 6 मुख्य लक्षण

बार–बार पेशाब आना

अगर आप हर सुबह उठते ही बार–बार पेशाब जाने की जरूरत महसूस करते हैं, तो ये हाई ब्लड शुगर का संकेत हो सकता है। शरीर अतिरिक्त ग्लूकोज को पेशाब के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करता है, इसलिए पेशाब की संख्या बढ़ जाती है। इसे हल्के में न लें।

अत्यधिक प्यास लगना

सुबह उठते ही बार–बार पानी पीने की इच्छा होना या मुंह सूखा लगना भी डायबिटीज का एक बड़ा संकेत है। जब शरीर में ग्लूकोज की मात्रा ज्यादा होती है तो शरीर पानी खो देता है, जिससे ज्यादा प्यास लगती है।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आप पूरी नींद लेने के बाद भी सुबह उठते ही थका हुआ और कमजोरी महसूस करते हैं, तो यह डायबिटीज का छुपा लक्षण हो सकता है। ऐसे में शरीर ऊर्जा का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता।

धुंधली या कमजोर दृष्टि

सुबह उठते समय अगर आपकी नजरें धुंधली लगें या साफ न दिखें, तो यह भी डायबिटीज का शुरुआती संकेत हो सकता है। हाई ब्लड शुगर की वजह से आंखों की नसों को नुकसान पहुंचता है जिससे दृष्टि प्रभावित होती है।

सुबह–सुबह सिरदर्द रहना

अगर सुबह उठते ही सिर में दर्द या भारीपन महसूस होता है, तो यह ब्लड शुगर के उतार–चढ़ाव का असर हो सकता है। खासकर रात को ब्लड शुगर गिरने और सुबह

तेज बढ़ने पर ऐसा हो सकता है।

पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन

सुबह के समय पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन महसूस होना डायबिटिक न्यूरोपैथी की शुरुआत हो सकती है। यह नसों पर होने वाले असर का संकेत है और इसे नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

क्यों होता है ये?

डायबिटीज में शरीर में इंसुलिन का सही उपयोग नहीं हो पाता या इंसुलिन की कमी हो जाती है। इसके कारण शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है, जिससे ये सारी समस्याएं शुरू होती हैं।

क्या करें?

सुबह के लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

नियमित रूप से ब्लड शुगर जांच कराएं।

सही खान–पान और नियमित व्यायाम को जीवनशैली में शामिल करें।

डॉक्टर की सलाह लेकर समय पर इलाज शुरू करें।

यदि आप सुबह उठते ही इनमें से कोई भी लक्षण महसूस कर रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है। सही समय पर इलाज से आप डायबिटीज के खतरे को कम कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

बारिश में लुफ्त उठाएं स्वाद से भरपूर वेज बिरयानी का, नोट कर ले रेसिपी

बारिश का मौसम आते ही खाने का मन कुछ खास और स्वादिष्ट खाने को करता है। ऐसे में वेज बिरयानी का नाम सबसे पहले दिमाग में आता है। सुगंधित मसालों से भरपूर, रंग–बिरंगी और स्वादिष्ट वेज बिरयानी बारिश के ठंडे मौसम में खाने का मजा दोगुना कर देती है। अगर आप भी इस बारिश अपने परिवार के लिए वेज बिरयानी बनाना चाहती हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए है।

वेज बिरयानी के लिए सामग्री

बासमती चावल – 2 कप

घी या तेल दृ 4–5 टेबलस्पून

प्याज (बारीक कटा हुआ) – 2 मध्यम आकार के

टमाटर (बारीक कटे हुए) – 2 मध्यम

हरी मिर्च दृ 2–3 (अपनी पसंद अनुसार)

दही दृ 1 कप

अदरक–लहसुन पेस्ट – 1 टेबलस्पून

मिक्स वेजिटेबल्स (गाजर, मटर, बीन्स, फूलगोभी) –1.5 कप

हल्दी पाउडर – 1/2 टीस्पून

लाल मिर्च पाउडर – 1 टीस्पून

गरम मसाला – 1 टीस्पून

धनिया पाउडर– 1 टीस्पून

नमक – स्वाद अनुसार

तेज पत्ता – 1

लौंग – 4–5

दालचीनी – 1 इंच टुकड़ा

बड़ी इलायची – 2–3

पुदीने के पत्ते – 1/4 कप

धनिया के पत्ते – 1/4 कप

नींबू का रस – 1 टेबलस्पून

पानी – चावल पकाने के लिए

वेज बिरयानी बनाने की विधि

1. सबसे पहले बासमती चावल को साफ करके लगभग आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इससे चावल पकते समय टूटेंगे नहीं और अच्छी खुशबू आएगी।

2. एक बड़े बर्तन में पानी उबालें, उसमें थोड़ा सा नमक और 1 टेबलस्पून तेल डालें। पानी में चावल डालकर 70–80: तक पकाएं। चावल पक जाएं पर ज्यादा नरम न हों। चावल छानकर अलग रख दें।

3. एक कड़ाही या पैन में घी या तेल गर्म करें।

अस्पताल मैनेजर ने डॉक्टर से पूछकर किया बच्चे का इलाज

लखनऊ, (संवाददाता)। पुरनिया बंधा रोड स्थित एक निजी हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने स्टाफ पर डॉक्टर बनकर इलाज करने का आरोप लगाकर हंगामा किया। आरोप है कि अस्पताल का मैनेजर डॉक्टर से फोन पर दवा पूछकर बच्चे का इलाज कर रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। सीतापुर के मछरेहटा निवासी इंद्र प्रकाश के बेटे हर्षित (3) को आंत से जुड़ी समस्या थी। परिजन उसे पहले नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टर ने केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। सोमवार रात वह बच्चे को ट्रॉमा ले गए, मगर काफी देर इंतजार के बाद भी बेड नहीं मिला। आरोप है कि एक दलाल ने बेहतर इलाज का झांसा देकर बच्चे को निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। चाचा सुमित का आरोप है कि पूरी रात अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं था। मैनेजर व दूसरे स्टाफ डॉक्टर से फोन पर दवा पूछकर इलाज करते रहे। बच्चे की हालत बिगड़ती गई। सुबह करीब छह बजे परिजनों को बच्चे की मौत की जानकारी दी गई। नाराज परिजनों ने हंगामा कर दिया। सीएमओ से शिकायत की बात कही। सीएमओ डॉ. एनवी सिंह का कहना है कि अस्पताल की वीडियो फुटेज के साथ इलाज का रिकॉर्ड तलब किया जाएगा। अस्पताल संचालक डॉ. हारून का कहना है कि परिजनों के आरोप बेबुनियाद हैं। । इलाज में लापरवाही नहीं हुई है। रात के वक्त डॉक्टर ने बच्चे को देखा था। परिजनों को बच्चे को हायर सेंटर ले जाने के लिए कहा गया था, मगर वह नहीं ले गए।

कांवड़ यात्रा में भक्ति व फैशन का संगम.. . खास ड्रेस पैकेज पसंद कर रहे हैं कांवड़िये

लखनऊ, (संवाददाता)। भगवान शिव के प्रति अट्ट आस्था की प्रतीक कांवड़ यात्रा हर साल लाखों शिव भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यह सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और भक्ति का एक अनूठा संगम भी है। बदलते दौर के साथ कांवड़ियों के पहनावे में भी काफी बदलाव आया है। बाजारों में तरह–तरह की शर्ट के साथ ज्वेलरी भी मौजूद है। कांवड़ियों के गेटअप के लिए एक खास ड्रेस पैकेज उपलब्ध है। हाल के वर्षों में इस यात्रा के दौरान ड्रेस पैकेज का चलन तेजी से बढ़ा है। अब कांवड़िये सिर्फ पारंपरिक भगवा वस्त्र नहीं, बल्कि ड्रेस पैकेज को तरजीह दे रहे हैं। इसमें माला, अंगूठी और कड़ा आदि शामिल है। इसकी शुरुआती कीमत एक हजार है। ज्वेलरी और अन्य आभूषण के हिसाब से कीमत बढ़ती जाती है। सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड निशातगंज स्थित कांवड़ियों के ड्रेस पैकेज दुकान के मालिक शानू बताते हैं कि कुछ वर्षों में ड्रेस पैकेज का चलन काफी बढ़ा है। इसकी वजह सोशल मीडिया है। भक्त कांवड़ यात्रा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब साझा कर रहे हैं। ऐसे में जो सोशल मीडिया पर चलन में होता है उसी तरफ युवा झुक जाते हैं। अब ड्रेस पैकेज एक तरह का ट्रेंड बन गया है। ड्रेस पैकेज की शुरुआती कीमत एक हजार है, लेकिन अलग–अलग आभूषण और वस्त्रों को खरीदते हैं तो 1,500 रुपये तक कीमत है।

यूपी में श्रद्धा की बयार, जलाभिषेक के लिए मंदिरों में भीड़

लखनऊ, (संवाददाता)। आज शिवरात्रि के मौके पर प्रदेशभर में श्रद्धा की बयार बह रही है। जलाभिषेक के लिए राज्य के तमाम शिवालयों में भक्त उमड़ रहे हैं। उधर, श्रावण शिवरात्रि पर भक्त सरयू में डुबकी लगाने के लिए सवेरे से ही जुटे हैं। मंदिर को विशेष तौर पर सजाया गया है। इस अवसर पर शासन ने सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किये हैं। शिवरात्रि पर मेरठ के बाबा औघड़नाथ मंदिर में भगवान आशुतोष का जलाभिषेक त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में हो रहा है। इसके लिए एक यूनिट एटीएस, दो कंपनी आरएएफ, तीन कंपनी पीएसी तैनात की गई हैं। 500 पुलिसकर्मी और 500 होमगार्ड व पीआरडी के जवान भी तैनात रहेंगे। 500 सीसीटीवी कैमरों के अलावा ड्रोन कैमरों से भी मंदिर परिसर की सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। डीएम डॉ. वीके सिंह और एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने मंगलवार को मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बदायूं जिले में सावन की शिवरात्रि पर बुधवार को कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। डीआईओएस ने बताया कि 12वीं तक के सभी बोर्ड के छात्र–छात्राओं का अवकाश रहेगा, लेकिन शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। शिवरात्रि के मौके पर जलाभिषेक के लिए बागपत के परशुराम पुरा महादेव मंदिर में भारी भीड़ है। श्री परशुराम पुरा महादेव मंदिर में एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि श्रावण मास की शिवरात्रि को देखते हुए श्री परशुराम पुरा महादेव मंदिर में पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की गई है।

बेसिक के शिक्षकों को मिला तबादले का एक और अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) के बाद कुछ विद्यालयों में शिक्षक सरप्लस तो कुछ में कम हो गए हैं। इसे देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिले के अंदर सामान्य तबादले का एक और अवसर दिया जा रहा है। इसके तहत तबादले की प्रक्रिया 23 जुलाई से शुरू होगी। बता दें कि अमर उजाला ने 21 जुलाई के अंक में ही बेसिक शिक्षकों को समायोजन का मिलेगा एक और अवसर शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। विभाग के अनुसार निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत तबादले के लिए जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय समिति का गठन किया जाएगा। जिले के अंदर तबादला व समायोजन ग्रामीण सेवा संवर्ग से ग्रामीण सेवा व नगर सेवा संवर्ग से नगर सेवा में किया जाएगा। यू–डायस पोर्टल पर उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर अधिक शिक्षक वाले विद्यालय व जरूरत वाले विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। विभाग ने यह भी सुविधा दी है कि आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले विद्यालय में चिह्नित प्रधानाध्यापक व शिक्षक एक ही गणना के आधार पर तबादले के लिए आवेदन कर सकते हैं। शिक्षक ऑनलाइन तबादले के लिए आवेदन करेंगे और अधिकतम 25 विद्यालयों का विकल्प देंगे। कम से कम एक विद्यालय का विकल्प देना अनिवार्य होगा। जिले में नियुक्ति की तिथि समान होने पर अधिक आयु वाले शिक्षकों को वरीयता दी जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि आवश्यकता वाले व आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले विद्यालयों को चिह्नित करते हुए सूची 23 जुलाई को पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी। शिक्षक 24 से 27 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करेंगे। 28 जुलाई तक बीएसए ऑनलाइन सत्यापन करेंगे। 30 जुलाई को एनआईसी द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर से तबादला सूची जारी की जाएगी। बता दें कि इससे पहले जिले के अंदर सामान्य तबादले की प्रक्रिया 30 जून को पूरी की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल में बिगड़ी छात्रा व छात्र की हालत, गंभीर हालत में लखनऊ रेफर

लखनऊ, (संवाददाता)। 18 दिन में दो स्कूली बच्चों की मौत और कई की बेहोश होने की घटना के बाद बुधवार को दो और अफसोसजनक और चौंकाने वाली घटना हुई। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हाई स्कूल की छात्रा अंशिका और आदित्य की हालत स्कूल में ही बिगड़ गई। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया जहां से आदित्य को गंभीर हालत में तुरंत डॉक्टर राम मनोहर लोहिया लखनऊ रेफर कर दिया गया जबकि अंशिका को भी रेफर करने की कार्रवाई चल रही है। इसी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा नंदिनी की 18 जुलाई को स्कूल में हालत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल लाने से पहले ही मौत हो गई थी। अब इस घटना के बाद स्कूल के प्रधानाचार्य शैलेंद्र प्रताप ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि यह क्या हो रहा है। वहीं, स्कूल में तीन घटनाओं के बाद बच्चों में दहशत का माहौल है अभिभावक चिंतित है।

नए कलेवर में नजर आएगा लखनऊ सिटी स्टेशन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि की जा रही हैं। जल्द ही इनका शुभारंभ किया जाएगा। कार्यों की प्रगति जांचने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक दिनेश कुमार सिंह बुधवार को लखनऊ पहुंचे। दरअसल लखनऊ सिटी स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन के तौर पर विकसित किया जा रहा है। यहां लिफ्ट, एस्केलेटर आदि अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन्हें जांचने परखने के लिए पहुंचे अपर महाप्रबंधक ने कार्यों को तीव्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले महीने इनका शुभारंभ कर दिया जाएगा। इसी क्रम में वह गोमतीनगर रेलवे स्टेशन भी गए, जहां अपग्रेडेशन कार्यों को परखा। गोमतीनगर स्टेशन के सेकंड फेज का कार्य कराया जा रहा है। यहां ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ाए जा रहे हैं, जिससे स्टेशन लखनऊ का प्रमुख स्टेशन बनकर उभरा है। उनके साथ डीआरएम गौरव अग्रवाल सहित अन्य अफसर मौजूद रहे।

लेन–देन के विवाद में सगे भाइयों को मारी चाकू, छोटे भाई की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। सुल्तानपुर के कुड़वार थाना क्षेत्र के कटावां गांव में रुपये के लेन–देन में मंगलवार देर रात विपक्षियों ने सगे भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल भाइयों को मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर पहुंचाया गया, जहां एक भाई को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। कुड़वार के चाची राज बगिया निवासी संजय निषाद (24) अपने बड़े भाई विजय कुमार निषाद (30) के साथ मंगलवार रात कटावां गांव में उधार पैसे लेने फागूलाल के यहां गए थे। आरोप है कि वहां, फागूलाल के साथ अन्य तीन लोग मौजूद थे। बातचीत के बाद हाथापाई शुरू हो गई। चारों ने मिलकर दोनों भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में संजय व विजय घायल हो गए। आरोपी मौके से भाग निकले। दोनों भाइयों को मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर पहुंचाया गया।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में बारिश को लेकर डराने वाली है मौसम विभाग की चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते दो दिनों में मानसून सुस्त पड़ा है और कहीं कहीं छिटपुट बारिश को छोड़कर बाकी जगहों पर धूप खिली और कहीं सिर्फ बादलों की आवाजाही रही। मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप की वजह से पारे में उछाल देखने को मिला। साथ ही गर्मी और उमस ने फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के कमजोर पड़ जाने से प्रदेश में अगले तीन दिन तक कहीं भी भारी बारिश की संभावना नहीं है। 25 जुलाई के बाद फिर से प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के संकेत हैं। मंगलवार को प्रदेश के दक्षिणी–पश्चिमी हिस्सों और कुछ तराई इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी को छोड़कर कहीं भी भारी बारिश दर्ज नहीं हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इस समय प्रदेश में कोई भी वेदर सिस्टम सक्रिय नहीं है इससे मानसून कमजोर पड़ा है। अगले तीन दिन यूपी में भारी बारिश के आसार नहीं हैं। 25 जुलाई से बंगाल की खाड़ी में एक और निम्न दाब का क्षेत्र बनने से प्रदेश के मानसून में दोबारा सक्रियता नजर आएगी।

डिजिटल गुर सीख आत्मनिर्भर बनीं चिकनकारी से जुड़ी महिलाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत पारंपरिक चिकनकारी और जरदोजी शिल्प से जुड़ी महिलाओं को ऑनलाइन व्यापार के तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। कैसरबाग स्थित निर्यात भवन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन मंगलवार को 150 महिलाओं ने हिस्सा लिया। दक्षिण भारत की एक कंपनी श्श्यूपीश्श की ओर से आयोजित यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क रहा। पहले दिन विशेषज्ञों ने महिलाओं को उत्पाद की फोटोग्राफी, मूल्य निर्धारण, सूचीबद्ध करना (लिस्टिंग), पैकेजिंग, ऑर्डर प्रोसेसिंग, ग्राहक सेवा, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की गहन जानकारी दी। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

100 महिलाओं ने सीखे तकनीकी गुर, मिले प्रमाण पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के संयुक्त तत्वावधान में 100 महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मंगलवार को गोमतीनगर स्थित संस्थान परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान और प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। 240 घंटे के 'असिस्टेंट ड्रेस मेकर' और 'ब्यूटी केयर असिस्टेंट' कोर्स में प्रशिक्षित महिलाओं ने प्रमाण पत्र पाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया। बबिता चौहान ने कहा, महिलाएं अगर चाहें तो किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं, बस उन्हें अवसर और मंच की जरूरत है। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि कौशल ही आज के समय में आजीविका का सशक्त माध्यम है।

सरकारी कर्मचारियों को 25 लाख का लोन, महिलाओं को स्टांप में बड़ी छूट

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों को भवन की मरम्मत व निर्माण के लिए मिलने वाली अग्रिम राशि को तीन गुना से ज्यादा बढ़ा दिया गया है। ब्याज दरों को भी बाजार दर से लिंक कर दिया गया है। इससे संबंधित प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि कार्मिकों को भवन निर्माण, खरीदने, मरम्मत और विस्तार के लिए एडवांस का प्रावधान है। पहले ये राशि अधिकतम 7 लाख रुपये थी और फिक्स ब्याज 9.1 फीसदी था। इसमें वर्ष 2010 से संशोधन नहीं किया गया था। तब ब्याज दरें 11–12 फीसदी होती थीं। आज होम लोन पर ब्याज 7 से 8 फीसदी है। इससे 7 लाख रुपये लेने वालों की संख्या बहुत कम थी। कैबिनेट अनुमोदन के बाद अब अग्रिम राशि 7 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। मार्केट रेट से ब्याज लिंक करने से 7 से 8 फीसदी पर रकम मिल सकेगी। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ रुपये तक मूल्य की संपत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में 1: की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक की संपत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपये तक की छूट मिलती थी। लेकिन अब सरकार ने इस छूट को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक की संपत्ति पर लागू कर दिया है, जिससे महिलाओं को अधिक लाभ मिलेगा। मंगलवार शाम लोकभावन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में कुल 37 मद पारित किए गए। इसमें 11 अगस्त से विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत का भी निर्णय लिया गया।

पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज, कूड़ा प्रबंधन के निशुल्क दी जाएगी ग्राम समाज की भूमि

शहरी लोगों को पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और नगरीय परिवहन जैसी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए शहरों के आसपास स्थित ग्राम समाज की भूमि मुफ्त में दी जाएगी। इसके लिए नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग का दर्जा देने का फैसला किया गया है। इसके आधार पर पांच साल तक ऐसी भूमि को मुफ्त में दिया जा सकेगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला किया गया।

प्रदेश की कुल जनसंख्या की लगभग एक चौथाई आबादी शहरों में रहती है। प्रदेश में मौजूदा समय 762 निकाय हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें हैं। नगर विकास विभाग द्वारा संचालिक पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और नगरीय परिवहन के लिए पांच साल तक मुफ्त भूमि देने का आदेश राजस्व विभाग द्वारा 17 जून 2011 को जारी किया गया था, जो जून 2016 में समाप्त हो गया है। इसी तरह जो आदेश सात मार्च 2019 को इस संबंध में जारी आदेश मार्च 2024 में समाप्त हो गया है। इसके चलते स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना में केंद्र सरकार से स्वीकृत कार्यों को पूरा कराने में कठिनाई आ रही थी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सेनेट्री लैंडफिल साइट का विकास किया जाना, पेयजल परियोजनाओं के लिए ओवरहेड टैंक बनाने, टयूबवेल लगाने, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए भूमि की जरूरत है। ग्राम समाज की भूमि मुफ्त न मिलने की वजह से विभाग को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। इसीलिए नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग मानते हुए पांच साल तक इन योजनाओं के लिए ग्राम समाज की भूमि मुफ्त में देने का फैसला कैबिनेट द्वारा किया गया है।

15 किमी लंबे चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे को मिली मंजूरी

धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र चित्रकूट को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 15.172 किलोमीटर लंबे चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जाएगा। एक्सप्रेसवे बनाने पर 939.67 करोड़ खर्च होंगे। इसे 548 दिनों में बना दिया जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई।

फ्रांसीसी लेखक के नाटक 'ले पेरे' से प्रेरित है डैडी

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर की सबसे पुरानी नाट्य संस्था दर्पण अपना नया नाटक डैडी लेकर आ रही है। इसका मंचन 25 व 26 जुलाई को संगीत नाटक अकादमी में किया जाएगा। नाटक का निर्देशन कर रहे वरिष्ठ रंगकर्मी सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ ने बताया कि यह फ्रांसीसी लेखक फ्लोरियां जैलर के नाटक 'ले पेरे' से प्रेरित है जिसमें डिमेंशिया से पीड़ित बुजुर्ग और उनकी बेटी की संवेदनशील कहानी मंच पर उतरेगी। महानगर में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने यह जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहे वरिष्ठ रंगकर्मी व फिल्म अभिनेता डॉ. अनिल रस्तोगी भी मौजूद रहे। सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ ने बताया कि यह नाटक बेटी और पिता के रिश्ते को बहुत गहराई से चित्रित करता है। एक तरफ बेटी की अपनी जिंदगी है, अपने सपने हैं, अपना प्यार है और दूसरी तरफ डिमेंशिया से पीड़ित वृद्ध पिता की देखभाल की जिम्मेदारी। नाटक को इस ढंग से परिकल्पित किया गया है कि हमारे दर्शक अपने तर्क–वितर्क को परे रखकर डिमेंशिया के मरीज के दृष्टिकोण से नाटक को देखें और उसके अनुभव से गुजरें। डॉ. अनिल रस्तोगी ने कहा कि दर्पण संस्था के संस्थापक प्रो. सत्यमूर्ति ने थियेटर के क्षेत्र में बहुत अहम योगदान दिया है। उनके जन्म शताब्दी वर्ष पर उनकी स्मृति में संस्था नाटकों के मंचन के साथ ही विचार गोष्ठियों का आयोजन कर रही है। डॉ. रस्तोगी ने कहा कि प्रो. सत्यमूर्ति के नाम पर एक पुरस्कार की घोषणा की जाए, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पुरस्कार राशि के लिए अगर हमें मिलकर कुछ योगदान भी देना पड़े तो हम उसके लिए भी तैयार हैं। उन्होंने बताया कि प्रो. सत्यमूर्ति ने दर्पण संस्था की स्थापना 1961 में की थी और 1971 में लखनऊ इकाई की स्थापना की गई थी।

बाबा गोदड़ीवाला धाम में मना चालीहा उत्सव

लखनऊ, (संवाददाता)। आलमबाग के जयप्रकाश नगर में स्थित बाबा गोदड़ीवाला धाम में पूज्य संत बाबा हरदास राम और संत बाबा गेलाराम के चालीहा उत्सव के साथ ही भगवान झूलेलाल का चालीहा उत्सव मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भजन–गीतों से माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। जयप्रकाश नगर सिंधी पंचायत के तत्वावधान में हुए आयोजन में भगवान झूलेलाल की आरती की गई। सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद बांटा गया। इस दौरान समाज के परिवारों में सिंधी भाषा में ही बातचीत करने पर जोर दिया गया। स्वाति ने धर्मांतरण की बढ़ती घटनाओं के प्रति सभी को सचेत किया और जागरूक रहने को कहा।

प्रदेश के लोगों को तोहफा, आवास विकास की कॉलोनियों वाले घरों में भी बन सकेंगी दुकानें

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद की कॉलोनियों में मकान बनवाने वालों को नई भवन निर्माण उपविधि का फायदा मिलेगा। इसके मुताबिक आवास विकास कॉलोनियों के मकान में दुकान या कार्यालय बनाया जा सकेगा। परिषद के सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि बोर्ड ने मंगलवार को इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यही नहीं, 100 वर्गमीटर तक के प्लॉटों पर मकान और 30 वर्ग मीटर के प्लॉट पर व्यावसायिक निर्माण के लिए नक्शा पास कराने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ एक रुपये फीस जमा कर पंजीकरण कराना होगा। नई निर्माण उपविधि के तहत 24 मीटर या ज्यादा चौड़ी सड़क पर स्थित प्लॉटों पर तय सीमा तक व्यावसायिक निर्माण किया जा सकेगा। फ्लोर एरिया रेशियो बढ़ाने के कारण भवन की ऊंचाई पर कोई प्रतिबंध नहीं रखा है। नई उपविधि मंजूर होने से पहले 24 मीटर चौड़ी सड़क पर आवासीय में व्यावसायिक निर्माण कराने वालों को भी राहत मिलेगी। उनको नई नियमावली के तहत शमन मानचित्र पास कराना होगा। इसके अलावा पुराना निर्माण हटाकर नए सिरे से भी मानचित्र पास करा सकते हैं। आवास विकास प्रदेशभर में खाली पड़े करीब 11 हजार फ्लैटों को बेचने के लिए सितंबर में पंजीकरण खोलेगा। इनमें करीब 2500 फ्लैट लखनऊ की विभिन्न योजनाओं में हैं। लखनऊ को छोड़कर अन्य शहरों में 40: तक छूट मिलेगी। बोर्ड बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। परिषद सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि लखनऊ की अवध विहार, वृंदावन और मुन्नू खेड़ा योजनाओं में करीब 2500 फ्लैट खाली हैं।

महिला एसओ ने पैदल गस्त कर लोगो को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

अयोध्या। बुधवार की देर शाम महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के साथ शहर के विभिन्न चौराहा पर पैदल गस्त कर आम जनमानस मे सुरक्षा को लेकर भरोसा दिलाया।इस मौके पर सड़कों की दोनों तरफ अतिक्रमण किए हुए चार पहिया तथा दो पहिया वाहनों को

हटवाते हुए उनके स्वामियों को चेतावनी दिया।उन्होंने रिकाबगंज चौराहे के अलावा चौक, बजाजा सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर जाकर पैदल ग्रस्त किया। इस दौरान उन्होंने इसके अलावा महिलाओं तथा बालिकाओं को उनके सुरक्षा के जागरूक किया। वहीं शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं को मिशनशक्ति –5 के तहत 1090 महिला पावर लाइन, 181– महिला हेल्पलाइन, 112 – आपातकालीन सेवा (पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए) 1076 – सीएम हेल्पलाइन (मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए शिकायतें और सुझाव) 1930 – साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन (साइबर अपराधों के लिए सहायता) जागरुक किया।इस मौके पर महिला थाना की पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

अयोध्या।गुरुवार को राजकीय फल संरक्षण केंद्र,अयोध्या द्वारा दो दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास खंड तारुन के ग्राम पंचायत जाना बाजार स्थित मॉडर्न इंटर कॉलेज, अयोध्या के परिसर में किया गया।इस कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान किरण वर्मा एवं कॉलेज के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा खाद्य प्रसंस्करण की महत्ता पर प्रकाश डाला। ग्राम प्रधान किरण वर्मा द्वारा महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया गया।जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की

गई तथा इच्छुक प्रतिभागियों को उद्योग स्थापना हेतु विभागीय सहयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई।समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस विशेष क्षण पर राजकीय फल संरक्षण केंद्र, अयोध्या के प्राचार्य श्री अनिल कुमार विमल एवं कॉलेज के प्रबंधक श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।अंत में, सभी उपस्थित अतिथियों, प्रशिक्षकों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए यह संकल्प लिया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन एवं महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।इस अवसर पर डॉ. अखंड प्रताप सिंह, महेश बहादुर सिंह, शुभम सिंह, सुभाष चंद्र तिवारी, एवं पर्यवेक्षक राजाराम सहित ने विचार व्यक्त किये।

चकरोड व सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 65 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। मौके पर ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का तत्काल आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। आज कुल 07 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। इस प्रकार अब

तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई के दौरान ही कुल 218 बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि अगस्त माह में आयुष्मान कार्ड के लिए विकास खण्ड स्तर पर विशेष कैम्प लगाए जाएंगे। इन कैम्पों में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, अंत्योदय कार्ड धारकों व 6 से अधिक सदस्य संख्या वाले पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश कि अंश निर्धारण व पैमाइश के प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। चकरोड व सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। जन सुनवाई के दौरान अंकित बाजपेई नाम के एक दिव्यांग युवक को दुकान संचालन योजना से आच्छादित कराया गया। शिव कुमार नाम के एक दिव्यांग व्यक्ति की दिव्यांग पेंशन बनवायी गयी। जन सुनवाई के दौरान एडीएम न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, एसडीएम. अंकित तिवारी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रामलीला ग्राउण्ड ऐशबाग लखनऊ में प्रातः 10 बजे से 17वाँ सपादलक्ष रूदाभिषेक हर हर महादेव की गूंज से प्रारम्भ हुआ

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। शिव सेवा परिवार की ओर से भगवान शिव की अहैतुकी कृपा से श्रावण मास कृष्ण पक्ष अमावस्या, दिन गुरूवार रामलीला ग्राउण्ड ऐशबाग लखनऊ में प्रातः 10 बजे से 17वाँ सपादलक्ष रूदाभिषेक हर हर महादेव की गूंज से प्रारम्भ हुआ। प्रमुख आचार्य गिरजाशंकर दीक्षित शिव शंकर पाण्डेय एवं डा योगेश व्यास तथा 5 सहयोगी आचार्यों के साथ शिव परिवार का षोडशोपचार पूजन कराया गया जिसमें भगवान का आवाह्न पाद्य अर्घ्य आचमन स्नान सुगंधित जल स्नान वस्त्र जनेऊ चंदन अक्षत मिश्रित अनाज गुलाल बेल पत्र फूल धूप दीप नैवेद्य पान सुपाड़ी ऋतु फल दक्षिणा, स्तुति आरती पुष्पांजलि तथा विसर्जन किया गया। सभी भक्तों के कामनानुसार भगवान से प्रार्थना की गई।

शीघ्र ही रोशनी से जगमग होगी रायबरेली तिराहा गोरखपुर लखनऊबाईपास ओवर ब्रिज संपर्क मार्ग

अयोध्या।शहर के रायबरेली तिराहा से नवीनमंडी के सामने से होते हुए गोरखपुर लखनऊ बाईपास ओवर ब्रिज संपर्क मार्ग पर लगी लिए शोपीस बनी हुई है।वही स्थानीय लोगों की माने तो इन लाइटों को लगे हुए लगभग 6 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक यह जलते हुए नहीं दिखाई दे रही है।बताते चलें कि लोक निर्माण विभाग कार्यालय मे तैनात अधिकारियो व कर्मियों के मुताबिक इस मार्ग की दूरी लगभग 750 सौ मीटर है।जिस पर 15–15 मीटर की दूरी पर लगभग 70 लाइटे लगी हुई है।इस संबंध में पीडब्ल्यूडी कार्यालय में तैनात सूत्रों ने बताया

की कुछ ही दिनों में इस मार्ग पर लाइट जलने लगेंगी।ट्रांसफार्मर भी लगाया जा चुका है।इस लाइट में कनेक्शन भी हो चुका है।बताया कि इन लाइटों का टेस्टिंग में हो चुका है।उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक इस मार्ग पर लगी लाइटे जलने लगेंगी।प्राण प्रतिष्ठा के बाद से राज्य सरकार अयोध्या नगरी को चौमुखी विकास जिसमे खासकर विभिन्न मार्गों पर प्रकाश को लेकर भी काफी विकास कर रही है।इसमें अयोध्या से दर्शन नगर होते हुए सूरजकुंड मार्ग,रामपथ मार्ग,विभिन्न ओवर ब्रिज सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर फैंसी लाइट लगी हुई है जिसमें से कुछ तो जल रही है और कुछ का निर्माण कार्य चल रहा है।

व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी के द्वारा ज्ञापन भेजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा के आह्वान पर जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी जौनपुर को दिया ज्ञापन में जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश में धारा– 79 के अंतर्गत की जा रही वसूली वह सर्वे छापे के नाम पर सचल दल द्वारा व्यापारियों से किया जा रहे हैं उत्पीड़न के संदर्भ में मुख्यमंत्री जी से शिकायत किया गया,

जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग द्वारा विगत कुछ माह से व्यापारियों के विरुद्ध दमनकारी नीति अपनाते हुए उनके बैंक खातों को सीज किया जा रहा है तथा खातों से धन निकासी भी की जा रही है विभाग द्वारा ईमेल से नोटिस भेजी जाती है जिससे व्यापारी देख नहीं पता और व्यापारियों को खाते सीज किये जा रहे हैं खातों से रकम निकाली जा रही है ईमेल देख ना पाने के कारण व्यापारी ग्रेड–1 के यहां अपील भी नहीं कर पाते हैं इसके साथ ही घोषणा के बावजूद टिब्यूनल न होने के कारण दूसरी अपील भी नहीं कर पा रहे हैं, प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सर्वे के नाम पर व्यापारियों का जीएसटी अधिकारी

अनैतिक रूप से उत्पीड़न कर रहे हैं इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हाल ही में एटा जनपद के जलेश्वर जो कि घुंघरू व घंटा उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है और यह उद्योग एक कुटीर उद्योग है वहां से संगठन को अधिकारियों द्वारा जांच एवं सर्वे के नाम पर घर–घर जाकर अनैतिक उत्पीड़न किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है आज 24 जुलाई को प्रदेश के सभी मुख्यालयो पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जा रहा है, जिला संरक्षक राजदेव यादव एवं नगर संरक्षक अशर्फीलाल जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि इसी प्रकार सचल दल विभाग द्वारा छोटी–छोटी मानवीय भूल बस ई–वे बिल सहित सभी परिपत्र होने के बावजूद गाड़ियों में पेनल्टी लगाकर जुर्माना जमा कराया जाता है और अपील द्वारा रिफंड किए जाने की बात की जाती है जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और सरकार की छवि धूमिल होती है, प्रतिनिधि मंडल में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, अरशद कुरैशी,रमेश बरनवाल, विजय गुप्ता,मनोज कुमार साहू,मुन्नालाल अग्रहरि, बनवारीलाल गुप्ता, अमर जौहरी, रामकुमार साहू, राकेश जायसवाल, संतोष कुमार साहू,अरविंद जायसवाल,यशवंत साहू, आशीष कुमार,गुलजारीलाल गुप्ता, राजीव कुमार साहू, संतोष अग्रहरि फार्मेसी,सतीश गुप्ता,चंदन सेठ,विमल भोजवाल,हफिज शाह, शिवम बरनवाल, शाहिद मंसूरी आदि व्यापारी उपस्थित रहे, उपस्थित व्यापारियों का आभार वरिष्ठ उपाध्यक्ष नगर रामकुमार साहू ने व्यक्त किया

मेदांता लखनऊ में प्लास्टिक सर्जरी वीक के दौरान पोस्ट–बर्न मरीजों को मिली राहत

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ. मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में 15 से 21 जुलाई तक प्लास्टिक सर्जरी सप्ताह के अवसर पर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत पोस्ट–बर्न डिफॉर्मिटी से जूझ रहे मरीजों के लिए निरूशुल्क ओपीडी सुविधा दी गई। इस पहल का उद्देश्य न केवल प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी को लेकर लोगों को जागरूक करना था बल्कि यह संदेश देना भी था कि सटीक इलाज से जीवन फिर से सामान्य हो सकता है। सप्ताह भर चले इस अभियान में कई मरीजों ने अपनी समस्याएं साझा कीं और इलाज की संभावनाओं पर विशेषज्ञों से परामर्श लिया। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में डायरेक्टर, प्लास्टिक, एस्थेटिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, डॉ. निखिल पुरी ने व्यक्तिगत रूप से ओपीडी में मौजूद रहकर मरीजों की जांच की। डॉ. निखिल पुरी ने कहा कि पोस्ट–बर्न डिफॉर्मिटीज सिर्फ शारीरिक नहीं होतीं, वे मानसिक असर भी छोड़ती हैं। प्लास्टिक सर्जरी ऐसे मरीजों के जीवन में दोबारा आत्मविश्वास ला सकती है। इन सात दिनों में हमारा मकसद यही था कि समाज को ये समझाया जा सके कि यह इलाज केवल सुंदरता से ही नहीं बल्कि सामान्य जिंदगी की आत्मविश्वास से भरी हुई नई शुरुआत से जुड़ा है। मेदांता अस्पताल की इस संवेदनशील पहल को मरीजों और उनके परिवारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि आने वाले समय में ऐसे जागरूकता अभियानों की संख्या और बढ़ाई जाएगी ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग इससे लाभ उठा सकें।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद 55 हजार रूपए लगा जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने गुरुवार को नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 55000 हजार रुपए अर्थ दंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सुजानगंज थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने 5 अक्टूबर 2021 को स्थानीय थाने में अभियोग पंजीकृत करवाया कि 30.9.2021 को उसकी 15 वर्षीय पुत्री को संजीव कुमार दुबे पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम सखवट थाना सुजानगंज ने गायब कर दिया। बहुत तलाश करने के बावजूद उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। बाद में नाबालिग लड़की बरामद हुई और पुलिस ने उसके अपहरण व दुष्कर्म के मामले में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी संजीव कुमार दुबे को दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 55 हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

भण्डारे में किया कांवडियों की सेवा

बस्ती, (संवाददाता)। श्री अयोध्या धाम से भद्रेश्वरनाथ धाम तक निकली कांवड़ यात्रा में कांवडियों की सेवा के लिये अनेक स्थानों पर भण्डारे के साथ ही निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर उनकी सेवा की गई। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला संरक्षक प्रमोद पाण्डेय, एएचपी जिला अध्यक्ष स्नेह कुमार , जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल मन मोहन त्रिपाठी के संयोजन में कटेश्वरपार्क के सामने भण्डारे का आयोजन किया गया। भक्तों में हलुआ, चना वितरित करने के साथ ही ठंडा जल पिलाया गया।

विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन कस्तूरबा गॉधी बलिका आवासीय विद्यालय में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 24 जुलाई,पूर्णकालिक अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ0प्र0 विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वाधान में शिक्षा का अधिकार, बच्चों से संबंधित अधिनियम, राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान एवं राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राज्य एवं केन्द्र द्वारा संचालित योंजनाओ आदि विषयों के संबंध में 23 जुलाई 2025 को कस्तूरबा गॉधी बलिका आवासीय विद्यालय बदलापुर जौनपुर में विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए सचिव पूर्णकालिक अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार सिंह द्वारा बच्चों को गुड टच बैड टच के बारे में विस्तार से बताया गया और साथ ही शिध्क्षा के अधिकारों के बारे में अवगत कराया गया तथा बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया तथा बताया कि शिक्षा ही विकास का मार्ग है। पैनल लायर देवेन्द्र यादव द्वारा न्यायालय के कार्य संचालन के संबंध में जानकारी दी गयी एवं प्रधानमंत्री बाल सेवा योजना व कन्या सुमंगला योजना, मेधावी छात्र पुरस्कार योजना के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही असिस्टेंट लिगल एड डिफेंस काउसिंल प्रकाश तिवारी द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में तथा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर विद्यालय की वार्डन, शिक्षिकायें, स्टाफ एवं पीएलवी रिंकी देवी, शिवशंकर सिंह, आदि उपस्थित रहें।

कारगिल विजय दिवस : अमर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज कारगिल विजय दिवस 2025 के उपलक्ष्य मे नगर पालिका सभागार हरदोई मे कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विजय दिवस समारोह मे मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम मे राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल व् अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने वीर नारियों, कारगिल योद्धाओं व् भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित कर, राष्ट्रीय सुरक्षा मे उनके अविस्मरणीय योगदान हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर

अमर शहीदों के परिजन, कर्नल अविजीत मेहता, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा, नगर पालिकाध्यक्ष सुख सागर मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी सहित कुमाँऊ रेजीमेंट के वीर सिपाही व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण की मिसाल कायम करने वाले चिकित्सकों और डोनर का किया गया सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के तरफ से सेवा समर्पण सम्मान समारोह का आयोजन नगर के आई एम ए भवन ब्लड बैंक मे आयोजित किया गया, जिसमें ट्रस्ट परिवार के तरफ से शहर के 50 चिकित्सक और 20 ब्लड डोनर का सम्मान आई एम ए अध्यक्ष डॉ शुभा सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वी एस उपाध्याय, संरक्षक डॉ समर बहादुर सिंह, चौकियां धाम महंत विनय त्रिपाठी के द्वारा किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के साथ सम्मानित चिकित्सको के द्वारा दीप प्रज्वलित के साथ किया गया! कार्यक्रम के विषय में ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिँह ने कहा कि डॉक्टर कोरोंना और डेंगू जैसे महामारी के दौर में बिना अपने स्वास्थ की चिंता किए खुद संक्रमित होते हुए भी समाज में अपनी अहम भूमिका निभा रहे थे, उर्वशी सिँह ने कहा कि डॉक्टर का धर्म सिर्फ मरीज को ठीक करना होता है! रामायण में एक प्रसंग आता है जब मेघनाद की वीररघातनी शक्ति से लक्ष्मण मूर्छित हो जाते हैं। उस समय हनुमान जी लंका जाकर वहां से सुषेन वैद्य को उठाकर लाते हैं। उस समय वैद्य के मन में एक विचार आया कि उपचार करूं या नहीं, लेकिन उन्होंने उपचार किया। यह जानते हुए कि यह दुश्मन सेना का व्यक्ति है, क्योंकि उनका धर्म मरीज को ठीक करना था। हमारी भी यही अपेक्षा है कि चिकित्सक हमेशा इस भाव को कायम रखें।डॉ वी एस उपाध्याय ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा समय समय पर बहुत ही बेहतर और उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनीय कार्य है! डॉ शुभा सिंह ने कहा कि अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा निरंतर समाज में अच्छा कार्य करने के साथ लोगों की मदद करके मिशाल कायम कर रहीं हैं, संस्था को जरूरत पड़ने पर पूरा चिकित्सको के द्वारा सहयोग दिया जाएगा, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अंजू कन्नौजिया ने किया! सम्मानित होने वाले चिकित्सको मे डॉ अरुण कुमार वरिष्ठ फिजिशियनडॉ वी एस उपाध्याय वरिष्ठ फिजिशियन हार्ट रोग विशेषज्ञ, डॉ तेज सिंह बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ सुभाष सिंह अस्थि एवं जोड़रोग विशेषज्ञ, डॉ जयेश सिंह बाल रोग विशेषज्ञ डॉ स्पृहा सिंह मधुमेह रोग विशेषज्ञ, डॉ शैली निगम , स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शकुंतला यादव डॉ राम अवध यादव, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंजू कन्नौजिया, डॉ विनोद कन्नौजिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ आलोक यादव, ,डॉ स्वाति यादव, डॉ अभय सिंहअस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ,डॉ सुष्मिता सिंह रेडियोलॉजीस्ट विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ तुलिका मौर्य, डॉ गौरव मौर्य, , डॉ देवेन्द्र प्रताप सिंह स्किन, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक मिश्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ श्वेता गुप्ता, सर्जन डॉ आर के गुप्ता, डॉ वीरेंद्र यादव नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ ममता यादव, डॉ उत्तम गुप्ता न्यूरोलाजी ,डॉ सलिल यादव क्षय रोग विभाग, डॉ सर्वेश सिंह डायलिसिस स्पेशल, डॉ नरेंद्र यादव डॉ पूजा यादव, डॉ गुंजन पटेल, डॉ रश्मि मौर्या डॉ विजय लक्ष्मी पटेल, डॉ रॉबिन सिंह अस्थि एवं जोड़रोग विशेषज्ञ , डॉ विपुल सिंह बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ श्वेता सिंह, डॉ विवेक शुक्ला डॉ अशोक यादव, डॉ राजेश कुमार डॉ निरंजन सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ मुकेश शुक्ला, डॉ शिखा शुक्ला, डॉ प्रशांत द्विवेदी डॉ आकांक्षा द्विवेदी डॉ साधना मौर्य, , के अलावा 20 डोनर अशोक मौर्य, संजय जांडवानी, राहुल प्रजापति, सुधांशु विश्वकर्मा, आकाश नितिन मौर्य, सूरज सोनी, आशिक, अर्जुन, डोनर को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में सभी ट्रस्ट परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का आभार सचिव शैली निगम ने ज्ञापित किया! कार्यक्रम का संचालन सागर सोलंकी ने किया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के कंचन सिंह , राधिका सिंह, ,डॉ पी के सिंह मीरा अग्रहरी, पायल किन्नर किरन किन्नर आशीष श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव, ज्ञान चन्द गुप्ता, दीपक सिंह आदित्य जायसवाल, कनक सिंह, के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे

खुले में मास बिक्री कर रहे दुकानदार को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,24 जुलाई ।श्रावण मास में मांस की दुकानों के खुलने और बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है बावजूद इसके लोग दुकानें खोल मास बेच रहे ।इस मामले में बुधवार को मडियाहूं पुलिस टीम द्वारा श्रावण मास के दौरान खुले में दुकान खोलकर मुर्गा के मांस की बिक्री करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वीटर पर एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें शकील पुत्र अजीमुल्ला निवासी भंडारिया टोला पाही करबा व थाना मड़ियाहूँ बुधवार को खुले में दुकान खोलकर मुर्गा के मांस की बिक्री कर रहा था, शिकायत का संज्ञान लेकर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को थाना मड़ियाहूँ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।